Hk – प्रेरितों की तैयारी राजा मसीहा द्वारा | 1

– Save This Page as a PDF–

प्रेरितों की तैयारी राजा मसीहा द्वारा

पेरियन मंत्रालय का दूसरा भाग लगभग साढ़े तीन महीने तक चला, दिसंबर २९ ईस्वी में हनुक्का के त्योहार से लेकर ३० ईस्वी के वसंत में यरूशलेम की उनकी अंतिम यात्रा तक। पेरिया (ग्रीक में “परे देश”) हेरोदेस महान के राज्य का हिस्सा था जो जॉर्डन नदी घाटी (या ट्रांसजॉर्डन) के पूर्वी हिस्से पर कब्जा कर रहा था, जो गलील सागर से लगभग एक तिहाई नीचे था। मृत सागर के पूर्वी तट का तीसरा रास्ता; यह अंतर्देशीय तक बहुत दूर तक नहीं फैला था।

यीशु ने अब कुछ समय के लिए येरूशलेम और यहूदिया को छोड़ना आवश्यक समझा। यहूदिया में अभियान ने लोगों को गहराई से प्रभावित किया था। लेकिन उसके शत्रुओं के प्रति घृणा और भी अधिक विकराल हो गई थी, जिसकी परिणति हनुक्का में उसे पत्थर मारकर हत्या करने के नए प्रयास के रूप में हुई। यहूदिया में अब मसीह की सेवकाई के सभी दरवाजे बंद थे। कुछ समय के लिए गलील ने भी उनके मंत्रालय को अस्वीकार कर दिया था। क्रूस का सामना करने से पहले शेष कुछ महीनों के लिए उनके लिए सेवा करने के लिए केवल एक ही स्थान बचा था – पेरिया, “जॉर्डन से परे का देश”।

वहाँ प्रभु अपने प्रेरितों के साथ चले गए, और
बेथनी को अपनी प्रचार गतिविधियों के केंद्र के रूप में चुना। वहाँ, यीशु को बप्तिजक द्वारा बपतिस्मा दिया गया था। यह पवित्र स्मृतियों का स्थान था – जहाँ वह मिले थे और अपना पहला शिष्य जीता था। दाउद शहर के ज़हरीले माहौल से दूर, मसीहा को वहाँ सफलता मिली। उनके मंत्रालय को देखने के लिए आसपास के ग्रामीण इलाकों से कई लोग आये। अच्छे चरवाहे ने उनकी सेवा की: उपदेश देना, शिक्षा देना और उपचार करना। हर जगह रिपोर्ट एक जैसी थी. जब उन्होंने येशुआ और योचानन के मंत्रालय की तुलना की, जैसा कि लोग करेंगे, कि युहन्ना ने कोई चमत्कार नहीं किया, लेकिन जो कुछ भी उसने उसके बाद आने वाले के बारे में कहा वह सच था। बपतिस्मा देने वाले की गवाही ने पापियों के उद्धारकर्ता के इस अंतिम फलदायी अभियान के लिए जमीन तैयार

Hk – प्रेरितों की तैयारी राजा मसीहा द्वारा | 2

की थी और कई लोगों ने उस पर विश्वास किया था।

जब वह पेरिया में था, मसीहा एक सार्वजनिक मंत्रालय चलाएगा, लेकिन यह बड़े पैमाने पर बारह लोगों को उस मंत्रालय के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया था जो उनकी मृत्यु और पुनरुत्थान के बाद उन्हें सौंपा जाएगा। महान महासभा द्वारा पहले ही अस्वीकार किए जाने के बाद (देखें Ek – यह केवल राक्षसों के राजकुमार बील्ज़ेबब द्वारा है, कि यह साथी राक्षसों को बाहर निकालता है), ऐसी कोई उम्मीद नहीं थी कि वह अपना शासन शुरू कर सकेगा। हालाँकि, येशुआ बेन-दाउद ने अपना मंत्रालय जारी रखा, अपनी अस्वीकृति को उलटने की उम्मीद में नहीं, बल्कि अपने प्रेरितों को उनकी ओर से मंत्रालय के बारे में सिखाने के लिए। शांति के राजकुमार ने तब तक समय बिताया जब तक कि उसका नियत समय नहीं आ गया जब उसे त्ज़ियोन जाना होगा और पिता की इच्छा पूरी करनी होगी।